हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

10 स्कूली स्टेट चैंपियनशिप में यशदेव ने जीता ब्रांज मेडल

12 रोहित और मनीषा चुने गए बेस्ट एथलीट

बाल भवन, हरियाणा दिवस व ओपन यूथ फेस्टिवल में संस्कारम की ऐतिहासिक हैट्रिक

₹2 लाख से अधिक नकद पुरस्कार और रिकॉर्ड 47 पोजीशनों पर कब्जा, अकेले बाल भवन प्रतियोगियों में 39 पुरस्कार हासिल किए

Congratulations

CHAMPIONS

1st Position in Group Dance (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Solo Classical Dance (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Solo Song (6th-8th Class Age Group) | 1st Position in Solo Dance (6th-8th Class Age Group) | 1st Position in Group Dance (6th-8th Class Age Group) | 1st Position in Group Song (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Solo Song (9th-10th Class Age Group)

1st Position in Solo Dance (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Group Dance (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Group Song (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Solo Dance (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Rangoli (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Kalash Decoration (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Clay Modelling (3rd to 5th Class Age Group)

1st Position in Fun Games (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Act Play (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Sketch (11th-12th Class Age Group) | 1st Position in Diya Making (9th-10th Class Age Group) | 1st Position in Rangoli Making (11th - 12th Class Age Group) | 1st Position in Sketch Making (9th - 10th Class Age Group) | 1st Position in Poster Making (11th-12th Class Age Group)

1st Position in Group Dance (3rd-5th Class Age Group) | 1st Position in Classical Dance (3rd-5th Class Age Group) | 1st Position in Poster Making (3rd-5th Class Age Group) | 2nd Position in Solo Classical (9th-10th Class Age Group) | 2nd Position in Best Dramebaz (6th-8th Class Age Group) | 2nd Position in Fun Games (9th-10th Class Age Group) | 2nd Position in Clay Modelling (6th-8th Class Age Group)

2nd Position in Declamation (9th-10th Class Age Group) | 2nd Position in Solo Dance (3rd-5th Class Age Group) | 2nd Position in Group Song (6th- 8th Class Age Group) | 3rd Position in Card Making (3rd- 5th Class Age Group) | 3rd Position in Solo Singing (11th-12th Class Age Group) | 3rd Position in Kalash Decoration (11th-12th Class Age Group) | 3rd Position in Best Dramebaz (3rd- 5th Class Age Group)

ओपन युवा महोत्सव संगीत और कला की विधाओं में प्रथम स्थान की झड़ी

3rd Position in Declamation (11th-12th Class Age Group) | 4th Position in G.K Quiz Comp. (11th-12th Class Age Group) | 4th Position in Fancy Dress Comp. (3rd-5th Class Age Group) | 4th Position in Sketching (6th-8th Class Age Group)

हरियाणा दिवस समारोह: ग्रुप डांस में गोल्ड, कला में भी शानदार प्रदर्शन

District Open Youth Festival, jhajjar | **HARYANA DIWAS CELEBRATION**

1st Position -Group Dance **(District Open Youth Festival)** | 1st Position -Group Folk Song **(District Open Youth Festival)** | 1st Position - Haryanvi folk Orchastra **(District Open Youth Festival)** | 2nd Position - Solo Instrument **(District Open Youth Festival)** | 1st Position in Group Dance Comp. on **HARYANA DIWAS** and felicitated by District Administration, Jhajjar. | 2nd Position in Clay Modeling Comp. on **HARYANA DIWAS** and felicitated by District Administration, Jhajjar. | 3rd Position in Painting Competition on **HARYANA DIWAS** and felicitated by District Administration, Jhajjar.

SANSKARAM PUBLIC SCHOOL, KHATIWAS

Call : 8222889860, 8222889862

Address : NH.334B, Main Dadri Road , Khatiwas, Jhajjar (Haryana)

खबर संक्षेप

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित विद्यार्थी और विषय विशेषज्ञ।

विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर की दी जानकारी

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में कंप्यूटर हार्डवेयर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर के विभिन्न घटकों, उनकी संरचना, कार्यप्रणाली तथा नवीनतम तकनीकी रुझानों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में प्राध्यापक विकास सुहाग, डॉक्टर सुधीर, प्रदीप और राजेश कुमार मौजूद रहे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर के व्यावहारिक पहलुओं और उद्योग से जुड़े ज्ञान से अवगत कराया। विभागाध्यक्ष सौरभ जैन ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता को बढ़ाने और उन्हें भविष्य के तकनीकी क्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया

स्कूली स्टेट चैंपियनशिप में यशदेव ने जीता ब्रांज मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित होनहार खिलाड़ी यशदेव तंवर। फोटो : हरिभूमि

एचडी साल्हावास के छात्र यशदेव तंवर ने हरियाणा स्कूली स्टेट चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीतकर क्षेत्र व जिले का नाम रोशन किया है। अब यशदेव नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएगा। शूटिंग कोच सुदेश ने बताया कि 10 से 14 नवंबर तक कुरुक्षेत्र में आयोजित हरियाणा स्कूली स्टेट चैंपियनशिप में यशदेव तंवर ने शूटिंग स्पर्धा में 400 में से 383 अंक लेकर ब्रांज मेडल हासिल किया। उसने पिछले सप्ताह गुरुग्राम में आयोजित रीगल मार्क्समैन चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीतकर संस्थान का गौरव बढ़ाया था। इस शानदार उपलब्धि पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया व प्राचार्य सतबीर सिंह ने अभिभावकों को बधाई देते हुए यशदेव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। रस्साकसी में दमखम दिखाते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में बाल दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैंब्रिज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर शरद यादव ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए विद्यार्थियों को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन संबंधी जानकारी दी। उमेश भारद्वाज ने विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व से अवगत कराया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा जहां अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई वहीं उन्होंने रस्साकसी स्पर्धा में भी अपना जोर आजमाया।

वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। दी हाईट्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुड्डण में बाल दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निदेशक नवींद्र कुमार ने खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलने का संदेश देते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने दौड़, रस्साकसी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल और लंबी कूद में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलों के दौरान 100 मीटर दौड़ व खो-खो आकर्षण का केंद्र रही। प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल हमारे व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये हमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना सिखाते हैं।

झज्जर। प्रतियोगिता में भागीदारी करते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

वॉलीबॉल मैच में सीएचसी ढाकला की टीम बनी विजेता

झज्जर। खिलाड़ियों के साथ उपस्थित सीएमओ डॉक्टर जयमाला। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में फिट हेल्थ स्टाफ प्रोग्राम व पीएनडीटी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सीएमओ डॉक्टर जयमाला की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने क्रिकेट, वालीबाल, साइकिल रेस, दौड़, पुश-अप चैलेंज व रस्सा कस्सी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। क्रिकेट मुकाबले में सीएमओ कार्यालय की टीम ने नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ की टीम को सात विकेट से हराया। इस मुकाबले में अकाउंटेंट देवेंद्र ने तीन विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैन का खिताब जीता। बहादुरगढ़ टीम के संदीप को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला जबकि अमित छिकारा ने बेस्ट बैट्समैन, पराग धनखड़ ने बेस्ट बॉलर एवं अंकित नागर ने बेस्ट फिल्डर का खिताब जीता। वॉलीबॉल मैच में भूपेंद्र की कप्तानी में सीएचसी ढाकला की टीम विजेता रही। रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में भी सीएमओ ऑफिस की टीम ने जीत हासिल की। इनके अलावा साइकिल रेस में जयबीर कादियान को प्रथम, श्रीभगवान को द्वितीय व केशव को तृतीय स्थान मिला। 1600 मीटर दौड़ में सोमदत्त प्रथम, विजय द्वितीय एवं मनीष तृतीय रहा।

400 मीटर दौड़ में विजय ने प्रथम, रविंद्र ने द्वितीय एवं डॉक्टर अंकुश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ के अपने-अपने आयु वर्ग में आशीष, जयबीर व रवींद्र प्रथम, अर्जुन, विजय व संजय शर्मा द्वितीय तथा अंकित नागर, दिनेश व पवन तृतीय रहे। 100 मीटर की महिला दौड़ में रीना ने प्रथम, अनिता ने द्वितीय एवं मंजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुश-अप चैलेंज में अलग-अलग आयु वर्ग में विजय व अंकित खासा प्रथम, डॉ. नरेंद्र व सोमबीर द्वितीय तथा पवन व जसबीर तृतीय रहे।

शिविर में छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। माल गोदाम रोड स्थित वैश्य आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में काफी छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शिविर का आगाज हुआ। प्रिंसिपल अंजू अग्रवाल ने डॉक्टरों और उनके सहयोगी स्टाफ का स्वागत किया। शिशु स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ डॉ. एके गुप्ता, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हर्ष नेहरा, दंत चिकित्सक डॉ. गौरव सेतिया, मनोवैज्ञानिक डॉ. शुभिका अग्रवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. सोनल तथा अन्य डॉक्टरों ने शिविर में बच्चों की जांच की। कक्षा छठी से लेकर आठवीं तक की छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा गया। जांच के दौरान छात्राओं को सुझाव दिए गए कि हमें समय पर सोना, व्यायाम करना चाहिए और स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए जंक फूड का से परहेज कर अच्छे खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। आंखें स्वस्थ रखने के लिए फोन का कम से कम इस्तेमाल करें तथा पढ़ते समय पुस्तक को ज्यादा नजदीक से न देखें।

आमजन को किराएदारों की वेरिफिकेशन करवाने के प्रति जागरूक करने के दिए निर्देश

- अधिकारियों को पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए
- दिल्ली सीमा से आने-जाने वाले वाहनों की विशेष जांच की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पुलिस की भूमिका और अधिक जिम्मेदार तथा संवेदनशील हो गई है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आमजन को सुरक्षा का भरोसा महसूस हो तथा अपराधियों में कानून का भय बना रहे। उन्होंने कहा कि वे आमजन को अपने किराएदारों की अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि कई बार बिना वेरिफिकेशन के किराएदार रखने से आपराधिक तत्व आवासीय क्षेत्रों में आसानी से छुप जाते हैं, जिससे सुरक्षा चुनौती बढ़ जाती है। इसलिए प्रत्येक थाना क्षेत्र में लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखते हुए उन्हें इस प्रक्रिया के महत्व के बारे में बताया जाए। उन्होंने अधिकारियों को पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सीमा से आने-जाने वाले वाहनों की विशेष जांच की जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गहन पूछताछ की जाए। इस दौरान डीसीपी हैडक्वाटर जसलीन कौर, डीसीपी लोगेश कुमार, डीसीपी मयंक मिश्रा, डीसीपी क्राइम अमित दहिया सहित सभी एसीपी थाना प्रबंधक क्राइम यूनिट मौजूद रही।

गीता महोत्सव की तैयारियों को लेकर मीटिंग कल

झज्जर। डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय गीता महोत्सव के आयोजन को लेकर सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिले की कोई सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवी या अन्य संस्था गीता पर आधारित अपने कार्यक्रम या गतिविधि की रूपरेखा तैयार कर बैठक में हिस्सा ले सकती है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा जिला स्तर पर 28 नवंबर से एक दिसंबर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन होगा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों और संस्थाओं की प्रदर्शनी, गीता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीता पर आधारित सेमिनार, नगर शोभा यात्रा प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

सतीश कुमार

शिक्षकों को वेल्यू एजुकेशन की जानकारी दी

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सीबीएसई द्वारा बिल्डिंग कैपेसिटी प्रोग्राम के अंतर्गत वेल्यू एजुकेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सीबीएसई रिसोर्स पर्सन सीमा सैनी व सरिता दलाल ने अध्यापकों को वेल्यू एजुकेशन संबंधी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूल संचालक जगपाल, जयदेव, अनीता, नीलम ने वर्कशॉप की सराहना की।

NOTICE

I, Rekha Devi w/o Jagbir Singh R/o Vill.-Khatiwas (113), Jhajjar, Haryana (124103) declare that the name of my minor son is ALOK YADAV but wrongly written in Aadhar no. 323392769945 as ALIOS YADAV. Please amend accordingly

कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन

बहादुरगढ़। बेटी के जन्म पर कुआं पूजन करती मां आरती व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नगर के झज्जर रोड पर पोस्ट ऑफिस के निकट रहने वाले परिवार में कन्या जन्म के उपलक्ष्य में कुआं पूजन किया गया। कन्या जन्म को शुभ अवसर मानते हुए परिवारजनों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की। कन्या के दादा विनोद प्रजापति, दादी पूनम देवी, परदादी प्रेम देवी व संतरो देवी ने विधिवत पूजा में हिस्सा लिया। नवजात शिशु की मां आरती और पिता धर्मवीर ने कहा कि परिवार में बेटी का जन्म सौभाग्य की निशानी है। परिवार की महिलाओं ने मंगल गीत गाए। मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की।

एनडीए की जीत पर पूर्व विधायक ने बांटे लड्डू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बिहार में एनडीए की जीत पर लड्डू बांटते पूर्व विधायक नरेश कौशिक।

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और जनता के विश्वास की जीत बताया। कार्यकर्ताओं संग लड्डू बांटकर उन्होंने इस खुशी का इजहार किया। कौशिक ने कहा कि यह जनादेश साबित करता है कि बिहार की जनता ने जंगलराज को पूरी तरह नकारते हुए विकास और सुशासन को प्राथमिकता दी है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सुशासन मजबूत हुआ है। कौशिक ने कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटकर जश्न मनाते हुए कहा कि लोगों ने जाति-वर्ग की राजनीति से ऊपर उठकर मतदान किया। विपक्ष की भ्रामक राजनीति को जनता ने खारिज कर विकास की गारंटी पर भरोसा जताया। भाजपा राष्ट्रहित में काम करने वाली पार्टी है और उसकी नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

शिविर में 64 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। इंडेप्थ विजन फाउंडेशन, सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया तथा रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा बेरी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एडीस स्पिरिट्स प्राइवेट लिमिटेड बेरी में आयोजित इस रक्तदान शिविर में भाग लेते हुए 64 युवाओं ने रक्तदान किया गया। रक्त एकत्रित करने का कार्य लाइफ लाइन फाउंडेशन दिल्ली के रक्तकोष की टीम ने किया जबकि शिविर की अध्यक्षता एडीएस के मैनेजर सुखबीर ने की। उन्होंने बैज लगाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर प्रवीण, गोविंद, विकास कौशिक, प्रीति सहित अन्य भी उपस्थित रहे। रक्तदाताओं को संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

झज्जर। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बच्चों की उन्नति में बाधा है बाल विवाह : राव बिरेंद्र

झज्जर। बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सहयोग करने की शपथ लेते हुए ग्राम सरपंच राव बिरेंद्र। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचायती राज संस्थान, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी तथा एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को रामपुरा गांव में कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए जागरुक किया गया। एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था से सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता पूनम ने मौजूदा जनसमूह को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के कारण बच्चों के अधिकारों का हनन होता है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को इस विषय में कठोर कदम उठाने की जरूरत है। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच राव बिरेंद्र ने कहा कि बाल विवाह सच में बच्चों की उन्नति में बाधा है। इस संबंध में उनकी ग्राम पंचायत सतर्क व सचेत हैं। वे बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाकर भी लोगों को घर-घर जाकर जागरुक करेंगे। इस दौरान लोगों को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के संबंध में शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में रामकरण, बलवंत, तेजभान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता, वीरमती सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजरी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव चलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सेक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं.840/13, गली नं.10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्जू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व ड. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं.2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शोशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बादली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते है :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

गीता महोत्सव में संस्कारम के विद्यार्थियों ने जीते मेडल

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव खेड़ी-खुम्मार में आयोजित ब्लॉक स्तरीय गीता महोत्सव में संस्कारम स्कूल खातीवास के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार जीते। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि छठी से आठवीं कक्षा तक के जूनियर वर्ग में शुभम ने पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल का गौरव बढ़ाया, जबकि चेष्टा को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान मिला। इसके अलावा भव्या और हर्षिता की जोड़ी ने संवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के सीनियर वर्ग में मानसी ने पेंटिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि धैर्य ने भाषण, कोमल ने निबंध लेखन और गरिमा, कुमकुम और हर्षित को क्विज में सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वीर गाथा कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी सैन्य जानकारी

झज्जर। क्षेत्र के गांव खातीवास स्थित संस्कारम पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को 'वीर गाथा कार्यक्रम' का आयोजन किया। कार्यक्रम में हिसार कैंट से आए 22 मैकेनाईज्ड इंफैंट्री के सैन्य अधिकारी मेजर क्षितिज लिमसे, नायब सूबेदार गोडसे वैभव ने विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में लगभग 15सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। मेजर लिमसे ने बच्चों को भारतीय शसस्त्र सेना में शामिल होने के लिये प्रेरित किया। साथ-साथ सेना में प्रदान किये जाने वाले अनेक अवसरों से भी अवगत कराया। वीर गाथा कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शौर्य चक्र विजेता सूबेदार (ऑनररी कैप्टन) जगबीर सिंह ने वर्ष 2004 में जम्मू- कश्मीर में सैन्य ऑपरेशन के खुद के अनुभव बच्चों के साथ साझा किया। जिसमें उन्होंनें छह आतंकवादियों को अकेले मार गिराया था। इनकी बहादुरी को देखते हुये भारत सरकार ने शौर्य चक्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर इंडियन वेटेरन ऑर्गेनाईजेशन के जिला अध्यक्ष ऑनररी सूबेदार मेजर सुरेंद्र सिंह सहित कई पूर्व सैनिक और विद्यालय स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस थानों में किया राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन

झज्जर। थाना परिसर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन करते हुए पुलिसकर्मी।

झज्जर। शनिवार को जिले के सभी पुलिस थानों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना परिसर में पुलिस कर्मियों को एकत्रित कर राष्ट्रगीत को पूरे सम्मान, उत्साह व देशभक्ति की भावना के साथ गाया। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने राष्ट्रभावना के साथ कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी पुलिस थानों में एक साथ वंदे मातरम् की स्वर-लहरियां गूंजी तो वातावरण राष्ट्रभक्ति व गौरव से भर उठा। पुलिस कर्मियों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत गाकर संविधान, राष्ट्रधर्म तथा देशसेवा के प्रति अपने दायित्वों को दोहराया।

हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

10 गीता महोत्सव में संस्कारम के विद्यार्थियों ने जीते मेडल

12 रामानुजन हाउस ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का उठाएं लाभ

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने सभी पात्र परिवारों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और अपनी बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और खुशहाल बनाएं।

मादक पदार्थ सहित आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ हेरोइन सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी जमील अहमद ने बताया कि पुलिस की एक टीम थाना साल्हावास क्षेत्र में तैनात थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि सुमित निवासी बिरोहड नशीला पदार्थ बेचने का अवैध धंधा करता है। जो अभी नशीला पदार्थ लिए हुए अपने मकान के बाहर स्कूटी पर बैठा हुआ है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से मादक पदार्थ हेरोइन बरामद हुआ। जिसका वजन करने पर 14 ग्राम पाया गया।

कंपनी से गांव के लिए निकला कर्मचारी लापता

बहादुरगढ़। गांव लोहारहेड़ी से मध्य प्रदेश जाने के लिए निकला एक कर्मचारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। तीन दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। पुलिस को दी सूचना में कुलदीप ने कहा है कि हमारी लोहारहेड़ी स्थित कंपनी में मध्य प्रदेश मूल का त्रिपुरारी पिछले कई वर्षों से काम कर रहा है। उसे अपने गांव जाना था। इसलिए 12 नवंबर की सुबह वह कंपनी से निकल गया। शाम करीब छह बजे दिल्ली से उसकी ट्रेन थी, लेकिन वह मध्य प्रदेश नहीं पहुंच सका और न ही वापस लौटा। अब तक अपने स्तर पर तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं।

लोगों को आंखों में जलन, खांसी और सांस लेने में हो रही दिक्कत

वायु प्रदूषण में मामूली कमी लेकिन हवा अब भी खराब

गुरुवार को 466, शुक्रवार को 388 व शनिवार को घटकर 300 पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार चिंता का कारण बना हुआ है। पिछले तीन दिनों में एक्यूआई में गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन हवा की गुणवत्ता अभी भी बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। दरअसल, 7 नवंबर को एक्यूआई 313, 8 को 325, 9 को 436, 10 को 373, 11 को 421, 12 को 332, 13 को 466 और 14 को वायु गुणवत्ता सूचकांक 388 रहा था। शनिवार को यह घटकर 300 पर आ गया।

हवा की गुणवत्ता खराब रहने के कारण लोगों को आंखों में जलन, खांसी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं बरकरार है। वीरवार को बहादुरगढ़ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 466 दर्ज हुआ था, जो गंभीर श्रेणी से भी ऊपर था। जबकि शुक्रवार को हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई और एक्यूआई 388 रहा। लेकिन यह भी बहुत खराब श्रेणी में आता है।

बहादुरगढ़। शहर की सड़कों पर दौड़ती एंटी स्मॉग गन। फोटो : हरिभूमि

हवा की गुणवत्ता खराब रहने की वजह से स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की। शनिवार को प्रदूषण का स्तर गिरकर 300 पहुंच गया। यह स्तर भी बहुत खराब की श्रेणी में ही आता है। हालांकि वीरवार व शुक्रवार की तुलना में इसमें सुधार देखने को मिला, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह अस्थायी राहत है। हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के कण मानकों से कई गुना अधिक रहे। लगातार कई दिनों से प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण लोगों में स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी हुई हैं।

शहरवासियों का कहना है कि बाहर निकलते ही आंखों में जलन और गले में खराश महसूस होती है। स्थानीय प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें निर्माण सामग्री से धूल फैलाने वालों को नोटिस जारी कर रही हैं और अवैध औद्योगिक गतिविधियों पर भी कार्रवाई की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवा की दिशा बदलने और तापमान में गिरावट के कारण आने वाले दिनों में स्थिति में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

साइबर थाना की एक टीम द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर थाना प्रभारी सोमबीर ने बताया कि एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 16 जून को उसके मोबाइल पर टेलीग्राम के माध्यम से एक लिंक आया, जिसके बाद उसे एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। ग्रुप के सदस्यों ने उसे अधिक लाभ कमाने का लालच दिया। शुरुआत में उसने सात हजार रुपए निवेश किए, जिसके बदले अगले ही दिन उसे 11,000 रुपये वापिस मिल गए। इससे उसका भरोसा बढ़ा और उसने अलग-अलग खातों में कुल 2,27,000 रुपए से अधिक राशि जमा कर दी, लेकिन जब उसने पैसा निकालने की कोशिश की तो पैसे नहीं निकल पाया। जिसके बाद उसे धोखाधड़ी का शक हुआ और उसने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नमन निवासी रेलवे कॉलोनी कालका पंचकूला और अंकुश निवासी सिवानी जिला भिवानी के तौर पर की गई है। आरोपी अंकुश के कब्जे से पांच एटीएम कार्ड, तीन चेकबुक और तीन बैंक खाते की पासबुक बरामद की गईं है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

- आरोपी अंकुश के कब्जे से पांच एटीएम कार्ड, तीन चेकबुक और तीन बैंक खाते की पासबुक बरामद की

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

दिल्ली-रोहतक रेलमार्ग पर 19 को रहेगा साढ़े 7 घंटे का ब्लॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दिल्ली-रोहतक रेल मार्ग पर बहादुरगढ़-आसौदा के बीच पुल संख्या 62 पर आरसीसी स्लैब रखने का कार्य 19 नवंबर को किया जाएगा। इसके कार्य के चलते रेलवे ने सुबह सवा दस बजे से शाम पौने छह बजे तक यानी साढ़े सात घंटे का मेगा ब्लॉक घोषित किया है। इस दौरान रेल यातायात पूरी तरह से बाधित रहेगा। कई गाड़ियां रद्द रहेंगी तो कुछ गाड़ियों का रूट बदला गया है।

मेगा ब्लॉक गाड़ी संख्या 20424 पातालकोट एक्सप्रेस और 20409 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बठिंडा इंटरसिटी के बहादुरगढ़ से गुजरने के बाद शुरू हो जाएगा। आगामी 19 नवंबर को 64912 ईएमयू (रोहतक-दिल्ली), 54032 डीजे पैसेंजर रद रहेंगी। किसान एक्सप्रेस 14732 रोहतक तक ही आएगी, दिल्ली नहीं जाएगी। इंटर सिटी एक्सप्रेस 12482 रोहतक तक ही सीमित रहेगी और आगे दिल्ली नहीं जाएगी। इसी तरह 16032 अंडमान एक्सप्रेस वाया गोहाना-सोनीपत होकर नई दिल्ली जाएगी, रोहतक नहीं जाएगी।

वहीं, 64932 जींद-दिल्ली ईएमयू, 64915 ईएमयू दिल्ली-रोहतक, 54031 दिल्ली-जींद पैसेंजर, 14323/24 बरेली इंटरसिटी एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में रद्द रहेंगी। किसान एक्सप्रेस 14731 रोहतक से बनकर चलेगी। इसी तरह 12481 इंटरसिटी एक्सप्रेस रोहतक से रवाना होगी तथा 54035 जाखल पैसेंजर व 64931 दिल्ली जींद ईएमयू भी रद्द रहेंगी। अवध-आसम एक्सप्रेस को शकूरबस्ती-घेवरा के बीच 50 मिनट रोका जाएगा। इनके अलावा 18 नवंबर को 54034 जींद-पुरानी दिल्ली पैसेंजर रद रहेगी।

दर्जनभर से अधिक रेलगाड़ियां रहेंगी प्रभावित

दैनिक रेल यात्री समिति के प्रवक्ता सतपाल हाडा ने कहा कि रेलवे बिना पूर्व सूचना के ट्रैक पर काम शुरू कर देता है, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतें होती हैं। इस संबंध में उन्होंने एक्स के माध्यम से रेलवे से मांग उठाई। जिसके बाद दिल्ली मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को अग्रिम सूचना जारी करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि 18 और 19 नवंबर को रेल ब्लॉक के दौरान भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन से कीर्ति नगर तक मेट्रो की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने की मांग भी मांग की गई है, ताकि यात्रियों में अव्यवस्था न हो।

ट्रैक्टर पलटने से चालक घायल

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली मार्ग पर गोरैया पर्यटन केंद्र के सामने एक ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान झज्जर जिले के रड्या डावला गांव के निवासी 65 वर्षीय जगदीश के रूप में हुई है। जगदीश अपने गांव से ट्रैक्टर-ट्राली में पराली लेकर बहादुरगढ़ के पटेल नगर आया था। वहां ट्रॉली छोड़कर किसी काम के सिलसिले में बाजार की ओर जा रहा था। जब गोरैया पर्यटन केंद्र के बाहर पहुंचा तो अचानक सामने से एक गाड़ी आ गई। टक्कर से बचने के लिए उसने ब्रेक लगाए, लेकिन रफ्तार तेज होने के कारण वह स्टेयरिंग पर संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर दौड़े। लोगों ने तुरंत ट्रैक्टर को सीधा किया और घायल चालक को सडक से उठाकर पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि जगदीश को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

उर्वशी ने सीएम को भेंट की तस्वीर

बहादुरगढ़। संजय कॉलोनी निवासी उर्वशी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलकर उनकी तस्वीर भेंट की। यह तस्वीर उर्वशी ने स्वयं बनाई है। सीएम नायब सैनी के साथ भाजपा नेता जसबीर सैनी ने भी उर्वशी की कला को सराहा। उर्वशी ने कहा कि यह आशीर्वाद और सराहना उसे हमेशा प्रेरित करेगी।

सीएम नायब सैनी को उनकी तस्वीर भेंट करती उर्वशी।

थानों में गूंजा वंदे मातरम

बहादुरगढ़। स्टाफ सहित वंदे मातरम प्रस्तुत करते एसएचओ महेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। शनिवार को जिले के सभी थाना परिसरों में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रत्येक थाना प्रभारी ने स्टाफ को एकत्र कर राष्ट्रगीत को पूर्ण सम्मान, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ प्रस्तुत किया। थानों में एक साथ उठी वंदे मातरम की स्वर लहरियों ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में सभी पुलिस कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए संविधान, राष्ट्रधर्म और देशसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रकट किया।

रास्ता रोककर युवक को ईंट और डंडों से पीटा

बहादुरगढ़। बुपनिया में रास्ता रोककर एक युवक पर हमला कर दिया गया। ईंट व डंडों से उस पर वार किए गए। हमले में उसे काफी चोट आई है। घायल ने गांव के ही रहने वाले दो युवकों पर मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

- घायल ने गांव के ही रहने वाले दो युवकों पर मारपीट व धमकी देने का लगाया आरोप

वारदात बुपनिया के निवासी राजेश के साथ हुई है। राजेश का कहना है कि 13 नवंबर को वह अपने घर पर था। इसी दौरान गांव में रहने वाले दो सगे भाई आए। आते ही वे गाली गलोच करने लगे। मैंने बाहर जाकर गाली गलोच करने से मना किया तो उन्होंने ईंट व डंडे फेंक कर मारे। मैं जान बचाकर भागने लगा तो उन्होंने रास्ता रोक लिया। फिर बुरी तरह से मारपीट की। लोग इकट्ठे होने लगे तो धमकी देकर भाग गए। इस हमले में मुझे काफी चोट आई। परिजन अस्पताल लेकर गए, जहां से रेफर कर दिया गया। उधर, सूचना पाकर पुलिस अस्पताल में पहुंची और घायल के बयान लिए। अब पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जाएगी।

पशु अस्पताल से इन्वर्टर बैट्री चुरा ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव दुल्हेड़ा स्थित पशु अस्पताल में चोरी की वारदात हो गई। दरवाजा तोड़कर चोर अंदर घुसे और इन्वर्टर बैट्री सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर गए। शिकायत के आधार पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महम के निवासी अजय ने कहा कि वह फिलहाल यहां दुल्हेड़ा में रहता है। दुल्हेड़ा में स्थित ग्राम पशु अस्पताल में वीएलडीए है। गत 13 नवंबर की रात को परिसर में किसी ने वारदात कर दी। इसके बाद 14 नवंबर की सुबह अस्पताल खोलने आए तो दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर देखा तो सारा सामान अस्त व्यस्त बिखरा पड़ा था। जांच करने पर इन्वर्टर बैट्री आदि नहीं मिले। अपने स्तर पर जांच की और ग्रामीणों से पूछताछ की लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर पुलिस को सूचना दी। उधर, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी स्कूल और अस्पताल चोरों के निशाने पर हैं। आए दिन कहीं न कहीं वारदात हो रही हैं।

बाइक चोर से चार वारदातों का खुलासा

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 चौकी पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में चोरी की चार वारदातों का खुलासा हुआ है। उसे अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। चौकी प्रभारी योगेश के मुतबिक, पेलपा के निवासी योगेश ने शिकायत दी थी कि वह पेपर देने के लिए तीन जून को बालौर कॉलेज में आया था। बाहर बाइक खड़ी की थी। किसी ने वहां से चोरी कर ली। इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए अब एक आरोपी को काबू किया गया। आरोपी की पहचान आशीष निवासी गांधी मार्केट के रूप में हुई। प्राथमिक जांच में आरोपी ने चार अन्य वारदातों का खुलासा किया। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इसे अदालत बहादुरगढ़ में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

खबर संक्षेप

वैश्य समाज का 17वां स्थापना दिवस 30 को

बहादुरगढ़। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा अपना 17वां स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से मनाएगा। प्रदेश सचिव प्रेम बंसल ने बताया कि कैथल में 30 नवंबर को प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता में होने वाले समारोह में समाज के प्रदेशभर से पदाधिकारी, कार्यकर्ता और वैश्य बंधु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। यह स्थापना दिवस अग्रवाल वैश्य समाज के संघर्ष, समर्पण और सेवा यात्रा का प्रतीक है। समाज की तीनों इकाइयों के दो-दो पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। समाज की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा करेंगे।

बिहार में एनडीए की जीत पर खुशी जताई

बहादुरगढ़। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की शानदार जीत पर भाजपा नेता शतीश नंबरदार ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभावी नेतृत्व का परिणाम है। बिहार की जनता ने विकास, स्थिरता और राष्ट्रहित की राजनीति को समर्थन दिया है। नंबरदार ने बताया कि सरकार ने बिहार में विकास पर जोर दिया। जनहित में काम कराए। यही वजह है कि गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए चलाई गई योजनाओं का सकारात्मक असर वोटों में दिखाई दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी एनडीए मजबूत प्रदर्शन करेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रभावी प्रचार की सराहना करते हुए शतीश नंबरदार ने कहा कि जिन सीटों पर सैनी ने दौरा किया, वहां एनडीए को उल्लेखनीय बढ़त मिली। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का भरोसा सुशासन और विकास की जीत है।

राजकीय महाविद्यालय में संपन्न हुई 52वीं एथलेटिक मीट

रोहित और मनीषा चुने गए बेस्ट एथलीट

बहादुरगढ़। मीट के दौरान दौड़ लगाते राजकीय महाविद्यालय के छात्र व बेस्ट एथलीट मनीषा समेत अन्य विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को शुरू हुई 52वीं एथलेटिक मीट शनिवार को संपन्न हो गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट सुनील कुमार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। लड़कों में रोहित और लड़कियों में मनीषा को बेस्ट एथलीट का खिताब दिया गया।

प्राचार्य दलबीर सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. अमित छिकारा ने वार्षिक खेल उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विजेता खिलाड़ियों की घोषणा की। कॉलेज के पूर्व छात्र रहे सुनील कुमार ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास व टीम भावना को विकसित करते हैं। विद्यार्थियों शिक्षा के साथ खेल में भी उत्कृष्टता प्राप्त करें और कॉलेज का गौरव बढ़ाएं। सौ मीटर दौड़ में प्रथम मनीष दलाल, द्वितीय विनीत और तृतीय मनीष रहा। लड़कियों में मनीषा पहले, दीपा दूसरे और वैष्णवी तीसरे नंबर पर रही। आठ सौ मीटर दौड़ में मनीषा प्रथम, दीपा द्वितीय और मुस्कान तृतीय रही। पांच किलोमीटर दौड़ में प्रथम रोहित, द्वितीय प्रिंस दहिया और तृतीय प्रिंस रहा। शॉटपुट में तरुण पहले, निशांत दूसरे और अजय तंवर तीसरे नंबर पर रहे। लड़कियों में तन्नू प्रथम, दीपा द्वितीय और जागृती तृतीय रही।

एनसीसी इंचार्ज ने अनुशासन व व्यवस्था बनाने में सराहनीय योगदान दिया

ऊंची कूद में मनीष पहले, मनीष दूसरे और रोहित तीसरे स्थान पर रहीं। लड़कियों में मनीषा पहले, दीपा दूसरे और संजना तीसरे नंबर पर रहीं। डिस्कस थ्रो में तरुण प्रथम, अमन द्वितीय और यश तृतीय रहा। लड़कियों में तन्नू पहले, तमन्ना दूसरे और मनीषा तीसरे स्थान पर रहीं। दो सौ मीटर दौड़ में यश पहले, निकुंश दूसरे व मनीष तीसरे नंबर पर रहा। मंच संचालन डॉ. विकास शौकीन ने किया। एनसीसी इंचार्ज डॉ. मनोज ने अनुशासन व व्यवस्था बनाने में सराहनीय योगदान दिया। उपप्राचार्या सुमन हुड्डा, काउंसिल मेंबर प्रो. राजीव दहिया, राजीव आसीवाल ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

झज्जर। संस्थान स्टाफ सदस्यों के साथ उपस्थित विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

रामानुजन हाउस ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

दीपचंद पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता में रामानुजन हाउस ने 80 अंकों के साथ ओवरऑल ट्रॉफी हसिल की। स्कूल निदेशक जय विकास ने बताया कि कार्यक्रम में कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल ने बतौर मुख्यातिथि कबड्डी मैच का शुभारंभ किया।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच 100 मीटर दौड़, मटका दौड़, तीन-टांग दौड़, नींबू दौड़ और नृत्य प्रतियोगिता कराई गई। शिक्षकों के आयोजित प्रतियोगिताओं में महिला स्टाफ सदस्यों ने जहां 100 मीटर दौड़, मटका दौड़, टग ऑफ वॉर, नृत्य और नींबू दौड़ में भाग लिया वहीं पुरुष स्टाफ के बीच वॉलीबॉल मैच, 100 मीटर दौड़ और टग ऑफ वॉर में प्रतियोगिता कराई गई।

ये रहे मौजूद

प्रतियोगिता के सभी विजेता प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, सुमित चावला, संदीप, हरीश, अश्वनी, जयभगवान, गीतांशु चावला, सुरेंद्र नांदल, शांति देवी, कुलदीप डागर, मेजर डॉक्टर प्रीतम डागर, डीपीई सुभाष, प्रदीप, शर्मिला, प्रीति, मोनिका वत्स, पवन, सुप्रिया, सुदेश, कर्ण, पदम, साक्षी, सोनिया मल्हान, दीपिका व शालिनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हिमांशु और सुषमा को मिला बेस्ट एथलीट का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में शनिवार को छठी वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सतवीर सिंह ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को लक्ष्य पाने के लिए दृढ़ निश्चय, अनुशासन व निरतंर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। एथलेटिक मीट में 100, 200, 400 और 800 मीटर की दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक तथा चक्र फेंक जैसी प्रतियोगिताएं कराई गई। स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉक्टर मनजीत सिंह ने खिलाड़ियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ होनहार खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

इन्हें किया सम्मानित

प्रतियोगिता परिणामों में बीए प्रथम वर्ष के होनहार खिलाड़ी हिमांशु को बेस्ट एथलीट का खिताब दिया गया जबकि लड़कियों में बीए प्रथम की सुषमा को सर्वश्रेष्ठ एथलीट के पुरस्कार से नवाजा गया। प्राचार्य डॉक्टर सतवीर सिंह ने प्रतियोगिता के सभी विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वैश्य कॉलेज में हुई स्पर्धाओं में खोजी गई प्रतिभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता हुई। विभिन्न स्पर्धाओं में छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने आयोजन टीम एवं सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा को पहचान देना ही शिक्षा का असली उद्देश्य है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। स्लोगन लेखन में मेघा ने प्रथम, चंचल व एकता ने द्वितीय, अंजलि कुमारी ने तृतीय तथा पूजा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। रंगोली बनाने में दीपा, कामाक्षी, प्रिया ने प्रथम, साक्षी, ईशा रानी, प्रियंका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत श्लोक उच्चारण में अंजलि ने प्रथम, मनीषा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्ले मॉडलिंग में साक्षी व फोटोग्राफी में एकता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पोस्टर बनाने व कार्टूनिंग में मनिषा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में तन्नु, प्रिया दलायी ने प्रथम, ईशा रानी, लक्ष्मी ने द्वितीय और शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन में नेहा ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय और पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में बनाई रंगोली देखती प्रिंसिपल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अंजलि रही अव्वल

वाद विवाद में अंजलि ने प्रथम, दीक्षा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी कविता वाचन में प्रियंका ने प्रथम, अंजलि ने द्वितीय और मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में ईशा और हरियाणवी कविता वाचन में शिवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेहंदी रचाने में सुनैना ने प्रथम, हर्षिता ने द्वितीय, तन्नु ने तृतीय और साक्षी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। एलोक्यूशन प्रतियोगिता में रेनू ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय और मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग में विराची ने प्रथम, लक्ष्मी ने द्वितीय और चंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में मनिषा ने प्रथम व कामाक्षी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर बहुत ही सुंदर कलाकृति बनाई।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल में हुए रंगारंग कार्यक्रम

बहादुरगढ़। शहर के मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खेल प्रतियोगिताएं और रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। स्कूल चेयरमैन डॉ. राकेश कोच और संचालिका उर्मिला सांगवान ने विद्यार्थियों को भविष्य में निरंतर आगे बढ़ाने की लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य संजीव कुमार और उप प्रधानाचार्य जितेंद्र दहिया ने सभी बच्चों के सर्वांगीण विकास की कामना की। शिक्षकों ने बच्चों की शिक्षा के महत्व और उनके उज्ज्वल भविष्य पर प्रकाश डाला। अंत में विद्यार्थियों को मिठाई के साथ पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बहादुरगढ़। कैंप में लोगों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

कैंप में 80 ने करवाई हृदय जांच

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा ने सेक्टर-9ए में साओल हार्ट केयर सेंटर के सहयोग से निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें 80 लोगों की हृदय जांच के उपरांत सुरक्षा परामर्श, बीएमआई जांच, ब्लड शुगर, बीपी और लिपिड प्रोफाइल की जांच की गई। डॉ. विशाल शर्मा ने कहा कि दिल की नसों में ब्लॉकेज की वजह से हृदय घात होता है। डॉ. सचिन तिवारी और डॉ. समीर चौधरी ने कैंप में विशेष सहयोग किया। पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी, भाविप के प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी, जिला समन्वयक सतीश शर्मा, अध्यक्ष रमेश गुप्ता, सचिव विजय पुन्हानी, पूर्व अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, कोषाध्यक्ष एमएस भाटी, महिला संयोजिका सुभद्रा घरोटे, संस्कार संयोजक दीपेश राठी, उपाध्यक्ष मुकेश बंसल व एसएन कौशिक आदि कैंप में उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कन्या की मां को दान राशि भेंट करते संजय सैनी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गरीब की बेटी के विवाह में किया सहयोग

बहादुरगढ़। भाजपा मंडल कार्यकारिणी ने एक गरीब परिवार की एक कन्या के विवाह में सहयोग कर सराहनीय उदाहरण पेश किया। मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने अपने कार्यालय में कन्या की मां को 11 हजार 100 रुपए की नगद राशि कन्यादान स्वरूप भेंट की। साथ ही विवाह की अन्य जरूरतों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया। आशु सैनी, धर्मेंद्र सैनी, दीपक सैनी, संदीप सैनी व रविंद्र राठी आदि ने कन्यादान को महादान की संज्ञा दी।

छारा में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

- बिरसा मुंडा जैसे महान जननायक भारत के सामाजिक और स्वतंत्रता संग्राम इतिहास के प्रेरणास्त्रोत : डॉ. अनीता दलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव छारा के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को जनजातीय गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल के मार्गदर्शन में इस अवसर पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जैसे महान जननायक भारत के सामाजिक और स्वतंत्रता संग्राम इतिहास के प्रेरणास्त्रोत हैं। व्याख्यान में हरियाणा के जनजातीय समाज की परंपराओं, सामाजिक संरचना और वर्तमान चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की।

बहादुरगढ़। विस्तार व्याख्यान में मौजूद छारा कॉलेज के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

साथ ही भगवान बिरसा मुंडा की एक संक्षिप्त जीवनी भी प्रस्तुत की गई। जिसमें उनके संघर्ष, जल–जंगल–जमीन आंदोलन, सामाजिक सुधारक रूप और आदिवासी समाज को संगठित करने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया गया। विद्यार्थियों ने व्याख्यान के दौरान कई प्रश्न पूछकर विषय से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

त्रिवेणी स्कूल में दादा-दादी संग मनाया उत्सव

बहादुरगढ़। दादा दादी को समर्पित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

बहादुरगढ़। त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्रेंड पेरेंट्स डे मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन करते हुए प्रार्थना, नाटक (कल आज और कल), गीत (मुझे इस दुनिया में लाया), पंजाबी भांगड़ा नृत्य और बड़ों के प्रति आभार प्रकट करने वाली विशेष प्रस्तुतियां दी। बोर्ड निदेशक एस. श्याम, संगीता वर्मा, उपनिदेशिका सुमित्रा महला, प्राचार्य अनिल कुमार, संचालिका कुसुम राठी, बिंदु मलिक व पिंकी कपूर ने दादा-दादी के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दादा-दादी ने उत्साहपूर्वक रैंप वॉक, म्यूजिकल चेयर और ब्लाइंड फोल्ड जैसी गतिविधियों में भाग लिया। अनेक दादा-दादी ने अपने बचपन की यादें साझा की और विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। संगीता वर्मा ने बच्चों को हमेशा खुश रहने का आशीर्वाद दिया।

डाबोदा खुर्द के राजकीय स्कूल में कराया गया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव डाबोदा खुर्द के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग द्वारा शनिवार को निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कैंप की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्या रेणू राणा ने की। योगाचार्य जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों को अष्टांग योग के अलावा देश-भक्ति, माता-पिता की सेवा, प्रकृति संरक्षण तथा शिक्षा के महत्त्व जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि सभी विद्यार्थी, माता-पिता के सेवक, गुरुओं के आज्ञाकारी, समाजसेवी, धर्म और संस्कृति के रक्षक तथा प्रकृति के संरक्षक बने। विद्यार्थियों को नशे से, फास्ट फूड, जंक फूड व सामाजिक बुराइयों से दूर रहना चाहिए। सभी विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक शक्ति का संग्रह करें। कार्यक्रम में शिक्षक पूनम, प्रोमिला, प्रशांत, योगेश, प्रतीक आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराते योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग। फोटो : हरिभूमि

अग्निवीर भर्ती रैली रोहतक में दस से पंद्रह दिसंबर तक

झज्जर। अग्निवीर रिक्रूटमेंट रैली रोहतक में आगामी दस दिसंबर से पंद्रह दिसंबर 2025 तक राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इस रैली में अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर लिपिक व स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं पास) व अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं पास) श्रेणियों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाएगी। भर्ती कार्यालय की ओर से सभी योग्य उम्मीदवारों को सूचित किया गया है कि जिन्होंने कॉमन एंट्रेंस एग्जाम पास कर लिया है और रैली के लिए चुने गए हैं, वे अपने यूजर नेम और पासवर्ड की मदद से 14 नवंबर से डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.ज्वाइनइंडियनआर्मी.एनआईसी.इन वेबसाइट से रिक्रूटमेंट रैली के लिए एडमिट कार्ड डाउनलोड करें।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

साइबर सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी दी

बहादुरगढ़। शनिवार को निजी स्कूलों में हुए कार्यक्रम में निरीक्षक सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव, साइबर क्राइम की जोखिमों और सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों के बारे में जानकारी दी। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने दोस्तों को भी नशे से बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग बेहद जरूरी है। सड़क पर नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

गंदगी के कारण भी बढ़ रहा है प्रदूषण

बहादुरगढ़। वायु गुणवत्ता की लगातार खराब स्थिति पर इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने भाजपा सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनके अनुसार नगर परिषद सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च रही है, लेकिन धरातल पर सफाई व्यवस्था बदहाल है। न सड़कों से कचरा उठ रहा है, न ही धूल प्रदूषण को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठ रहे हैं। पार्षद प्रतिनिधि भूपेंद्र राठी के अनुसार प्रशासन की उदासीनता के कारण बहादुरगढ़ सांस लेने तक के लिए संघर्ष कर रहा है। शहर की सफाई व्यवस्था लंबे समय से सवालों के घेरे में है। कूड़े को उठाने की बजाय खुले में जलाने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं, जिससे हवा में धुआं और जहरीले कण बढ़ रहे हैं। सड़कों की धूल और निर्माण सामग्री का सही प्रबंधन न होना भी हालात बिगाड़ रहा है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से एयर क्वालिटी सुधारने के लिए ठोस योजना लागू करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद प्रशासन केवल झूठे दावे कर लोगों को गुमराह कर रहा है।

बहादुरगढ़। सड़क किनारे पड़ा कूड़े का ढेर दिखाते भूपेंद्र राठी।

बहादुरगढ़। शैक्षणिक भ्रमण पर अशोका इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी।

विद्यार्थियों ने भ्रमण पर किया मनोरंजन

बहादुरगढ़। अशोका इंटरनेशनल स्कूल के तीसरी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और वैज्ञानिक गतिविधियों को समझा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विभिन्न स्थलों के बारे में रोचक जानकारी दी। नाटक, समूह-गीत, समूह-नृत्य, कविताएं, देशभक्ति गीत और हास्य प्रस्तुति ने उनका मनोरंजन किया। प्रधानाचार्य जैनेंद्र कुमार ने सभी विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धन के साथ मनोरंजन का महत्व समझाया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से
विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई है। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

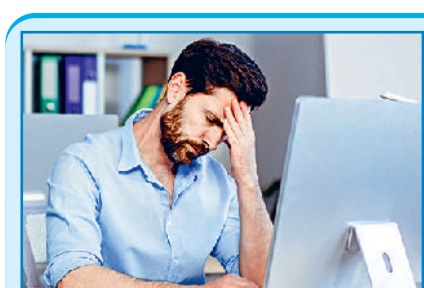

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह) **रचनाकारः** मनोज मोहन, **मूल्यः**200 रु, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

टूरिस्ट स्पॉट
बुशरा फातमा

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते
गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रवाली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उसकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

रिवोना केव

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मानते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू ही हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी
करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेत: भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोंपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोत: हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेश: इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून की संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती है। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुन:अवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है, लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में फ्लैक्स वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी
स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहास: विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालय: इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वचछता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यान: टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएं: टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमाल: टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाक: लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानी: व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेट: आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

सिने ट्रेंड
कैलाश सिंह

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित और इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है
शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्में: देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंग: 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

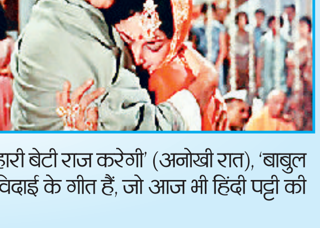

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।